आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 276 | उज्जैन, मंगलवार 26 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव माँ नर्मदा की महाआरती में हुए शामिल

माँ नर्मदा का किया अभिषेक और दीपदान

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पुण्य-सलिला माँ नर्मदा के पवित्र तट ग्वारीघाट में सोमवार की शाम माँ नर्मदा की महाआरती में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा की धर्मपत्नी श्रीमती मल्लिका बैनर्जी भी महाआरती में शामिल हुईं।

केंद्रीय मंत्री श्री नड्डा एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वस्ति-वाचन, हर-हर नर्मदे, माँ नर्मदा के जयकारों और नर्मदाष्टकम् के श्लोकों की गूँज के बीच पूरे विधि-विधान से पुरोहितों की मौजूदगी में माँ नर्मदा की पूजा-अर्चना कर देश तथा प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। श्री नड्डा और डॉ. यादव ने माँ नर्मदा का दुग्धाभिषेक कर दीपदान भी किया।

लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद श्री आशीष दुबे, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक एवं अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल भी माँ नर्मदा की महाआरती में शामिल हुये।

महाआरती में विधायक सर्व श्री अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिकुंज विज, श्री हितानन्द शर्मा, श्री आशीष अग्रवाल, श्री संदीप जैन, मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया, पूर्व निःशक्तजन आयुक्त श्री दीपांकर बैनर्जी, धर्माचार्य और संत समाज मौजूद रहे। नर्मदा महाआरती के समापन पर 14 वर्षीय तेजस्विनी दुबे ने माँ नर्मदा को साफ एवं स्वच्छ रखने का सभी को संकल्प दिलाया।

मोदी जी खुद अपने खिलाफ बिल लाए... PM-CM की बर्खास्तगी वाले विधेयक पर बोले शाह; विपक्ष पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि संविधान (130वां संशोधन) बिल, 2025 जरूर पास होगा, भले ही विपक्ष इसका तीखा विरोध कर रहा हो। इस बिल में प्रस्ताव है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री गंभीर अपराध के तहत 30 दिन तक लगातार हिरासत में रहता है, जिसकी सजा पांच साल या उससे ज्यादा हो तो उसे अपने पद से हटना होगा।

शाह ने कहा कि यह बिल संवैधानिक नैतिकता और जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए है। ये सत्ताधारी पार्टी सहित सभी नेताओं पर समान रूप से लागू होगा।

अमित शाह ने बिल का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी खास पार्टी या नेता को निशाना बनाने के लिए नहीं है।

उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस और विपक्ष के कई लोग नैतिकता का समर्थन करेंगे और इस बिल को पास करने में साथ देंगे। बिल को विस्तृत जांच के लिए 31 सदस्यों वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया है, जो इस पर सुझाव देगी।

अमित शाह ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि यह बिल पास होगा। कांग्रेस और विपक्ष में कई लोग नैतिकता का समर्थन करेंगे और नैतिक आधार बनाए रखेंगे।

आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर..., पहलगाम हमले को लेकर राजनाथ सिंह की पाक को खरी-खरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा था और हमने कर्म देखकर मारा।

राजस्थान के जोधपुर में आदर्श रक्षा एवं खेल अकादमी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ÷आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों की हत्या की, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा।

पाकिस्तान को हमने करारा जवाब दिया- पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आंतकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत की ओर कई मिसाइल दागी दी थी। भारतीय सेना ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

ऑपरेशन सिंदूर को जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया, तय किए गए लक्ष्य पर सटीक हमला किया।

शिक्षा क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ साल में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है।

अरब सागर से पश्चिमी अफीकी तट तक Indian Navy का दबदबा, भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाएंगे INS उदयगिरि और हिमगिरि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने वाला है। नीलगिरि क्लास की दो स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ कमीशन होने के लिए तैयार है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ दो नीलगिरि क्लास के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को कमीशन करेगी। भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा (पी-17ए) का हिस्सा हैं, जिसके तहत प्रमुख पोत, आईएनएस नीलगिरि, को इस साल की शुरुआत में कमीशन किया गया था।

यह पहली बार है कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख लड़ाकू जहाजों का कमीशन एक ही समय में हो रहा है। इसके साथ ही, भारत के पास तीन फ्रिगेट वाला एक स्क्वाड्रन होगा जो स्वदेशी क्षमता के जरिए देश की औद्योगिक-तकनीकी क्षमता और क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का प्रदर्शन करेगा।

ये दोनों मिसाइलें पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत छलांग का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग 6,700 टन क्षमता वाले, पी-17ए फ्रिगेट अपने पहले के शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से लगभग पांच प्रतिशत बड़े हैं और फिर भी इनका आकार अधिक सुडौल है, तथा इनका रडार क्रॉस-सेक्शन कम है।

डीजल इंजन और गैस टर्बाइन का इस्तेमाल- ये डीजल और गैस CODOG द्वारा संचालित होते हैं जिनमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन लगे होते हैं जो कंट्रोलिंग-पिच प्रोपेलर चलाते हैं और एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए मैनेज होते हैं।

तिब्बत में बांध की आड़ में वॉटर बम बना रहा चीन, भारत के लिए बन गया चिंता का सबब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के तिब्बत में बनने वाला एक विशाल डैम भारत के लिए चिंता का सबब बन गया है। दरअसल चिंता ये है कि चीन वॉटर फ्लो को कम कर सकता है और इससे भारत के राज्यों को पानी की किल्लत हो सकती है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने चार सूत्रों के हवाले से किए गए सरकारी विश्लेषण को आधार बनाते हुए रिपोर्ट छापी है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को चिंता है कि यह डैम सूखे मौसम में यारलुंग जांगबो नदी के पानी के प्रवाह को 85त्न तक कम कर सकता है।

इस नदी का पानी भारत में सियांग और ब्रह्मपुत्र के नाम से जाना जाता है। ये भारत, चीन और बांग्लादेश में 10 करोड़ से ज़्यादा लोगों की जिंदगी का हिस्सा है।

इस खतरे से निपटने के लिए भारत ने अरुणाचल प्रदेश में अपने सबसे बड़े डैम, अपर सियांग मल्टीपर्पस स्टोरेज डैम के निर्माण को तेज करने की योजना बनाई है। लेकिन स्थानीय लोगों का गुस्सा और विरोध इस राह में रोड़ा बन रहा है। चीन ने दिसंबर में ऐलान किया कि वह यारलुंग जांगबो नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा हाइड्रोपावर डैम बनाएगा। ये इलाका भारत की सीमा के पास है। यह खबर भारत के लिए खतरे की घंटी है, क्योंकि चीन का यह डैम नदी के पानी को नियंत्रित कर सकता है। परिणामस्वरूप भारत में सूखे और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। भारत का सरकारी विश्लेषण कहता है कि यह डैम 40 अरब घन मीटर पानी को रोक सकता है।

बंगाल में TMC विधायक के घर ED की छापामारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा के आवास पर ईडी के अधिकारियों ने छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूल शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में ये एक्शन लिया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि जैसे ही विधायक को छापेमारी की जानकारी मिली, उन्होंने कथित तौर पर परिसर की चारदीवारी फांदकर अपने घर से भागने की कोशिश की।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत ने की पाकिस्तान की मदद, दोनों देशों के अधिकारियों ने साधा संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान भारत के सामने किसी मामले में टिक नहीं सकता। बावजूद इसके वह अक्सर भारत की ओर आंख उठाकर देखने का प्रयास करता है। हाल के दिनों में तो पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत को परमाणु हमले की गीदड़भभकी भी दे दी।

इन सब के बाद भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने पाकिस्तान की बड़ी मदद की है। पाकिस्तान के कई इलाकों में बाढ़ का कहर है, जिसके कारण 300 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच भारत ने पाकिस्तान के अधिकारियों को तवी नदी में बाढ़ की जानकारी दी है।

भारत ने बाढ़ को लेकर पाकिस्तान को किया आगाह- गौरतलब है कि सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि भारत ने तवी नदी में संभावित बाढ़ के बारे में पाकिस्तान को आगाह किया है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि स्थगित है।

वहीं, द न्यूज ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि भारत ने संभावित बाढ़ के बारे में जानकारी साझा करने के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया है। ध्यान देने योग्य बात है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पहला मौका है जब दोनों देशों के अधिकारियों के बीच संपर्क स्थापित किया गया हो।

हालांकि, भारत या पाकिस्तान में से किसी की ओर से इस घटनाक्रम को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें कि आमतौर पर, ऐसी जानकारी सिंधु जल आयुक्त के माध्यम से साझा की जाती है। तावी नदी जम्मू से पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में जाती है।

रविवार को भारत ने बाढ़ के बारे में किया आगाह- अखबार ने सूत्रों का हवाला देते हुए दावा किया कि भारत ने जम्मू में तवी नदी में संभावित बड़ी बाढ़ के बारे में पाकिस्तान को आगाह किया है। अखबार ने आगे कहा कि इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग ने रविवार को यह चेतावनी दी।

भारत ने स्थगित किया है सिंधु जल समझौता- बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद ही भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन लिया था। इसी दौरान भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित भी किया।

भारत पर सेकेंडरी टैरिफ इसलिए लगाया क्योंकि..., जेडी वेंस ने बताया क्या है डोनाल्ड ट्रंप का सीक्रेट प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। भारत द्वारा रूस से तेल खरीदे जाने के कारण अमेरिका ने भारत पर ये शुल्क लगाया। इस बीच अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की प्रतिक्रिया सामने आई है।

दरअसल, इस मसले पर जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन पर हमला रोकने के लिए आक्रामक आर्थिक दबाव का रुख किया है। इसी वजह से भारत पर भी टैरिफ लगाया गया है।

युद्ध रुकवाने का केवल एक ही तरीका- बता दें कि एनबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बात करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका द्वारा उठाए जा रहे इन कदमों का उद्देश्य रूसी की तेल अर्थव्यवस्था से होने वाली कमाई को कम करना है। उन्होंने कहा इससे रूस कमजोर पड़ेगा और युद्ध रोकने में मदद मिलने की संभावना है।

जेडी वेंस ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में रूसी राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात सार्थक रही है। हालांकि, उन्होंने माना कि इस मुलाकात के बाद दोनों के बीच कुछ अड़चने भी पैदा हुई हैं। इसके बावजूद भी अमेरिका रूस -यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकता है।

जेलेंस्की और पुतिन को एक मेज पर कैसे लाएंगे- वहीं, एक सवाल के जवाब में जेडी वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप लगातार रूस पर कड़ा आर्थिक दबाव बना रहे हैं। उन्होंने उदाहरण के साथ समझाते हुए भारत पर लगाए गए टैरिफ की बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अतिरिक्त टैरिफ लगाकर हमने रूस की तेल से कमाई को कम करने की कोशिश की है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ने यह भी संदेश देने की कोशिश की है कि अगर रूस यूक्रेन पर हमले रोक देता है, तो उसे फिर से वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल किया जा सकता है।

विपक्ष के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी पर शाह ने साधा था निशाना, अब SC के 18 पूर्व जजों ने बयान की निंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के विपक्ष के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी पर सलवा जुडूम फैसले को लेकर किए गए हमले को 18 रिटायर्ड जजों ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। इन जजों में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज कुरियन जोसेफ, मदन बी. लोकुर और जे. चेलमेश्वर जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि अमित शाह का सुप्रीम कोर्ट के फैसले की गलत और पक्षपातपूर्ण व्याख्या न्यापालिका की स्वतंत्रता पर ठंडा असर डाल सकती है। जजों ने सलाह दी कि बेकार की बयानबाजी से बचा जाना चाहिए।

कांग्रेस ने इस बयान का हवाला देते हुए अमित शाह पर तीखा हमला बोला और कहा कि भारत में अभी भी कुछ लोग हैं जो उनकी गलत बातों का जवाब देने की हिम्मत रखते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने सुदर्शन रेड्डी पर नक्सलवाद को समर्थन देने का आरोप लगाया था और दावा किया था कि अगर सलवा जुडूम का फैसला नहीं आता तो 2020 तक नक्सलवाद खत्म हो गया होता। सलवा जुडूम फैसले का गलत मतलब निकाला गया

रिटायर्ड जजों ने अपने बयान में कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का सलवा जुदुम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से पेश करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह फैसला कहीं से भी नक्सलवाद या उसकी विचारधारा का समर्थन नहीं करता, न तो स्पष्ट रूप से और न ही इसके मजमून से।

धार्मिक पवित्रता के बहाने जबरन वसूली का गंदा खेल, पाकिस्तान में ईश निंदा के अपराध में ऐसे फंसाए जा रहे लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में ऑनलाइन चैट के कारण ईशनिंदा के अपराध में लोग जेल भेजे जा रहे हैं। कई अभियुक्तों का कहना है कि उन्हें ऑनलाइन ऐसे लोगों ने फंसाया था जो उनसे जबरन वसूली करना चाहते थे या ईशनिंदा के आरोपों में गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ा-चढ़ाकर बताना चाहते थे।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में ईशनिंदा के लिए मौत की सजा हो सकती है, लेकिन अभी तक किसी को इसके लिए फांसी दी नहीं गई है। मानवाधिकार विशेषज्ञों का कहना है कि ईशनिंदा के बढ़ते मामलों को दर्शाना (चाहे वह कृत्रिम हों या नहीं) इस्लामी समूहों के लिए धार्मिक पवित्रता की रक्षा के बहाने जनता का समर्थन जुटाने और धन जुटाने का एक तरीका है।

ऑनलाइन ईशनिंदा के लिए गिरफ्तारियों में तेज वृद्धि - अभियुक्तों के परिवारों, कानून विशेषज्ञों, मानवाधिकार के पैरोकारों एवं कुछ अधिकारियों के साथ साक्षात्कार के साथ ही सरकारी रिपोर्टों की समीक्षा से भी इससे जुड़े कानूनों के दुरुपयोग का संकेत मिलता है। सरकारी मानवाधिकार संस्था द्वारा पिछले वर्ष अक्टूबर में प्रकाशित एक रिपोर्ट में ऑनलाइन ईशनिंदा के लिए गिरफ्तारियों में तेज वृद्धि दर्ज की गई थी।

इजरायल ने यमन की राजधानी पर किया बड़ा हवाई हमला, कई मिसाइलें भी दागीं; हूती ठिकानों को बनाया निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल के लड़ाकू विमानों ने यमन की राजधानी सना में कई स्थानों पर हवाई हमले किए है। ये हमले रविवार को किए गए, जिसमें कम से कम दो लोग मारे गए और 35 अन्य घायल हो गए।

इजरायल ने राष्ट्रपति भवन के पास के इलाके पावर प्लांट और फ्यूल स्टोरेज फैसिलिटी को भी निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि हूती आतंकवादी शासन ने हाल दिनों में इजरायल पर लगातार ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर रहा था। इसी के जवाब में इजरायल ने हमला किया है।

बढ़ सकती है मृतकों की संख्या- वहीं, शिन्हुआ समाचार एजेंसी के की मानें तो, इस हमले में घायल लोगों को अस्पताल लाने का काम जारी है। जैसे-जैसे घायलों को अस्पताल में लाया जा रहा है, चिकित्सकों ने का मानना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

उधर, यमनी नागरिक सुरक्षा प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि सना के दक्षिण और पश्चिम में हमलों से लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन दल काम कर रहे हैं।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की जेल में बिगड़ी तबीयत, ICU में भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें शनिवार को कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के ह्रूष्ट में भर्ती कराया गया। शुक्रवार रात उन्हें सरकारी फंड के दुरुपयोग के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

कोर्ट ने विदेश यात्रा के लिए सरकारी फंड के गलत इस्तेमाल का आरोप लगाया था, जिसके बाद उनकी हालत बिगड़ गई। कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के डिप्टी डायरेक्टर-जनरल रुक्शन बेल्लाना ने बताया कि विक्रमसिंघे को गंभीर डिहाइड्रेशन की शिकायत थी। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन उन्हें गंभीर डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर के चलते निगरानी में रखा गया है।

जेल में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में भर्ती- विक्रमसिंघे को शुक्रवार रात कोलंबो की न्यू मैगजीन जेल में रखा गया था, लेकिन जेल के मेडिकल सुविधाओं के नाकाफी होने के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल में भेजा गया।

एक जेल प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत बिगड़ने पर तुरंत यह कदम उठाया गया। इससे पहले, विपक्षी नेताओं ने जेल में उनसे मुलाकात की थी और कहा था कि वे डटकर मुकदमे का जवाब देंगे।

विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार को डर है कि विक्रमसिंघे दोबारा सत्ता में आ सकते हैं, इसलिए उन्हें जेल में डाला गया। समगी जन बालवेगया पार्टी के सांसद नलिन बंडारा ने जेल के बाहर पत्रकारों से कहा, ÷पूर्व राष्ट्रपति का कहना है कि हमें नई सरकार के जुल्म के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए।

अब नहीं जाना पड़ेगा कनाडा और अमेरिका, भारतीयों के लिए रूस में नौकरी का खुला ऑफर; इन सेक्टर्स वालों के होंगे मजे

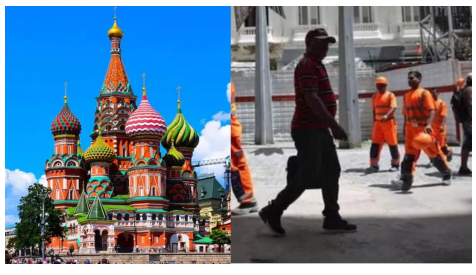

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस में एक बार फिर से भारतीयों को नौकरी का मौका मिलने जा रहा है। रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार ने कहा कि रूसी कंपनियां, खासकर मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र की कंपनियां, भारतीय नागरिकों को रोजगार देने में बढ़ती रुचि दिखा रही हैं।

दरअसल, टीएएसएस सरकारी समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान ये बाते कहीं। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे ज्यादा से ज्यादा भारतीय रूस में काम के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं, वाणिज्य दूतावास सेवाओं का कार्यभार भी बढ़ रहा है।

रूस को मानव संसाधन की आवश्यकता- ध्यान देने वाली बात है कि रूस की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम सहित पश्चिमी देशों में आव्रजन पर बढ़ती कार्रवाई के बीच आई है।

बता दें कि भारतीय राजनयिक ने कहा कि व्यापक स्तर पर, रूस में मानव संसाधन की आवश्यकता है और भारत के पास कुशल मानव संसाधन है। इसलिए वर्तमान में, रूसी नियमों, कानूनों और कोटा के ढांचे के भीतर, कंपनियां भारतीयों को नियुक्त कर रही हैं।

भारतीयों की रूस में बढ़ रही डिमांड- भारतीय राजनयिक ने कहा कि यहां आने वाले अधिकतर लोग निर्माण और कपड़ा क्षेत्र से हैं, लेकिन मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में भारतीयों की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि रूस में भारतीय कामगारों की बढ़ती संख्या के कारण वाणिज्य दूतावास के संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है।

पहले 1971 के कत्लेआम पर लिखित में माफी मांगो..., पाकिस्तान के विदेश मंत्री की बांग्लादेश में हुई बेइज्जती

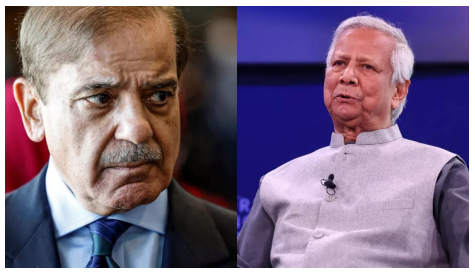

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ एशिया में अलग-थलग पड़ चुका पाकिस्तान अब बांग्लादेश की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है। लेकिन बांग्लादेश ने साफ कर दिया है कि किसी भी समझौते से पहले साल 1971 के नरसंहार के लिए पाकिस्तान को माफी मांगनी होगी।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी मांगने की मांग की है। यह मांग बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने रविवार को ढाका में हुई एक द्विपक्षीय बैठक में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के सामने रखी।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने बैठक के बाद एक बयान में कहा, 1971 में पाकिस्तान की ओर से किए गए नरसंहार के लिए औपचारिक माफी, संपत्तियों का बंटवारा, 1970 के चक्रवात पीड़ितों के लिए दी गई विदेशी सहायता का ट्रांसफर और फंसे हुए पाकिस्तानियों की स्वदेश वापसी जैसे लंबे समय से लंबित ऐतिहासिक मुद्दों को जल्द हल करने की जरूरत है। इनके समाधान से ही दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्तों की नींव रखी जा सकती है।

पाकिस्तानी विदेश मंत्री का बांग्लादेश दौरा- पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 23 से 24 अगस्त तक बांग्लादेश के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर थे। यह दौरा बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार के न्योते पर हुआ। इस दौरान डार ने बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस से भी मुलाकात की।

दोनों देशों ने इस दौरे के दौरान एक द्विपक्षीय समझौते और पांच सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किए।

महाराष्ट्र में गणेशोत्सव बना राज्य महोत्सव, पंडालों में छाई रहेगी 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सुप्रसिद्ध सार्वजनिक गणेशोत्सव को इस वर्ष महाराष्ट्र सरकार ने न सिर्फ राज्य महोत्सव (स्टेट फेस्टिवल) का दर्जा दे दिया है, बल्कि गणेश मंडलों को यह सलाह भी दी है इस बार वे गणेशोत्सव की थीम कुछ माह पहले भारतीय सेना द्वारा पड़ोसी देश पाकिस्तान के विरुद्ध चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की थीम पर रखें।

महाराष्ट्र के साथ-साथ देश के अनेक हिस्सों में मनाया जानेवाला 10 दिन का गणेशोत्सव 27 अगस्त से शुरू हो रहा है। महाराष्ट्र में सार्वजनिक गणेशोत्सव 132 वर्ष पुराना है। 1893 में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने गणेश चतुर्थी के दिन महाराष्ट्र के घरों में मनाए जानेवाले गणेशोत्सव को सार्वजनिक और संगठित रूप से मनाने की पहल की थी।

गणेश उत्सव से समाज में जागरुकता फैलाने का संदेश- उनका उद्देश्य था कि इसी बहाने देश के युवा एक लक्ष्य को लेकर संगठित हों, तो उन्हें देश को स्वतंत्र कराने की मुहिम में शामिल किया जा सके। आजादी के बाद भी गणेशोत्सव में राष्ट्रीय महत्त्व से जुड़े मुद्दों को उभारकर समाज में जागरूकता फैलाई जाती रही है।

बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति के अध्यक्ष नरेश दहिबावकर के अनुसार इसी दृष्टि से राज्य सरकार ने गणेशोत्सव समितियों को आपरेशन सिंदूर की थीम पर अपनी झांकियां सजाने का सुझाव दिया है।

कितनी जगहों पर मनाया जाता है गणेशोत्सव- दहिबावकर के अनुसार, सिर्फ मुंबई एवं मुंबई उपनगर में 12000 से अधिक सार्वजनिक पंडालों में गणेशोत्सव मनाया जाता है। इनमें लालबाग का राजा जैसे बड़े गणेश पंडालों की संख्या भी 3200 से अधिक है।

राजस्थान में बारिश का कहर, सवाई माधोपुर में बांध ओवरफ्लो होने से 55 फीट धंसी जमीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के कई जिलों में इस समय कुदरत का कहर देखने को मिल रहा है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश के कारण हालात बिगड़ गए हैं। सवाई माधोपुर में लगातार हो रही बारिश के कारण सुरवाल बांध के ओवर फ्लो होने से रविवार को एक गड्ढा बन गया।

जिसके कारण जमीन धंस गई। बताया जा रहा है कि बांध के ओरफ्लो होने से करीब 2 किलोमीटर लंबी खाई बन गई है। अब पानी खेतों से होकर गुजर रहा है। इसके कारण सबसे अधिक नुकसान जड़ावता गांव को हुआ है। गांव के पास 2 किलोमीटर लंबी और 100 फीट से अधिक चौड़ी और 50 फीट से अधिक खाई बन गई।

आफत बनकर बरस रहे बादल- राजस्थान के कुछ हिस्सों में लगातार हो रही बारिश अब लोगों के लिए आफत बन गई है। इस बीच विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बारिश इसी तरीके से जारी रही, तो स्थिति और खराब होने की संभावना है। बता दें कि जहां जमीन धंसी है वह कई एक कृषि योग्य क्षेत्र है। खेतों के उस पार से पानी इस खाई में बहने लगा है, जिसके कारण दो घर, दो दुकान और दो मंदिर भी ढह गए।

बारिश ने धीमी कर दी मायनगरी की स्पीड, दिल्ली में यमुना नदी खतरे का दे रही सिग्नल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बारिश आफत की तरह बरस रही है। भारी बारिश से जनजीवन पर असर पड़ रहा है। इसके साथ ही नदियां भी उफान पर हैं और खतरे के निशान के नजदीक बह रहीं हैं। वहीं यातायात भी ठप से हो गया है।

मुंबई में भारी बारिश के कारण ट्रैफिक और यातायात में असुविधा हो रही है। सड़कों पर गाड़ियों का लंबा जाम देखने को मिल रहा है।

शहर के कई हिस्सों में भारी जलभराव और यातायात जाम देखा गया। इंडिगो, स्पाइसजेट और अकासा एयर सहित कई एयरलाइनों ने भारी बारिश के बीच हवाई यातायात और मुंबई की सड़कों पर यातायात की धीमी गति का हवाला देते हुए ट्रैवल एडवायजरी जारी की है।

मुंबई में येलो अलर्ट जारी- भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई सबअर्बन और मुंबई शहर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही ठाणे, पुणे और नासिक के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा रायगढ़, पालघर और नंदुरबार में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

मुंबई में सुबह से ही तेज़ बारिश हो रही है और सायन के गांधी मार्केट और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे क्षेत्र सहित शहर के कई हिस्सों में जलभराव देखा गया है।

मेडिकल कॉलेजों में NRI कोटा एडमिशन घोटाले में ED का एक्शन, कैसे हुआ रैकेट का भंडाफोड़?

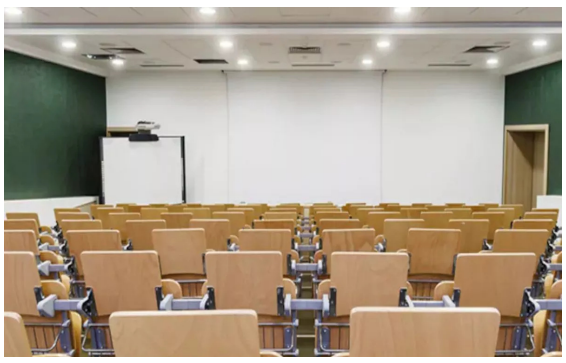

नई दिल्ली (एजेंसी)। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने एक ऐसे रैकेट का भंडाफोड़ किया है जो मेडिकल कॉलेजों में अनिवासी भारतीय (एनआरआई) कोटे के तहत छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करता था।

विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावासों की सहायता से की गई जांच में पता चला कि प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लगभग 18,000 छात्रों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया। जांच के दौरान पाया गया कि इन कॉलेजों ने फर्जी दस्तावेज तैयार करने के लिए एजेंटों को पैसे दिए थे। अधिकांश मामलों में एजेंटों और मेडिकल कॉलेजों ने कई अभ्यर्थियों के लिए एक ही प्रकार के दस्तावेजों का उपयोग किया। इस रैकेट में कुछ वास्तविक एनआरआई अभ्यर्थी भी शामिल थे, जिन्हें एजेंटों द्वारा पैसे दिए गए थे ताकि उनके नाम का इस्तेमाल किया जा सके।

छात्रों की फीस उनके किसी रिश्तेदार भरते- इन कॉलेजों पर छापेमारी के दौरान ईडी ने कई फर्जी एनआरआई प्रमाण पत्र और अमेरिका में काम कर रहे नोटरी अधिकारियों के टिकट बरामद किए। नियमों के मुताबिक, एनआरआई कोटे से दाखिला लेने वाले छात्रों की फीस उनके किसी एनआरआई रिश्तेदार द्वारा भरी जानी होती है, लेकिन ईडी की जांच में पाया गया कि ज्यादातर मामलों में फीस एनआरआई परिवार के सदस्यों द्वारा नहीं भरी गई।

जांच एजेंसी ने पिछले महीने कहा था कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा के अधिकारियों ने एनआरआई कोटे के तहत कुछ प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में अयोग्य उम्मीदवारों के प्रवेश के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि विदेश मंत्रालय ने जालसाजी की स्पष्ट जानकारी दी थी।

दीवार फांदकर भागा, मोबाइल झाड़ी में फेंका... ED की रेड के बीच फरार होने की कोशिश में टीएमसी विधायक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब ईडी ने बंगाल के स्कूलों में शिक्षकों और कर्मचारियों की भर्ती में अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में सोमवार को राज्य के मुर्शिदाबाद जिले के बुरवान विधानसभा क्षेत्र से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक जीबनकृष्ण साहा को गिरफ्तार किया। इससे पहले ईडी की टीम ने टीएमसी विधायक और उनके कुछ रिश्तेदारों के ठिकानों पर छापे मारे। सूत्रों के मुताबिक छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पहले भी मोबाइल फोन फेंक चुके हैं- जानकारी के मुताबिक ईडी अधिकारियों द्वारा छापेमारी के बाद साहा ने घर से भागने की कोशिश की और अपना फ़ोन एक झाड़ी में फेंक दिया।

हालांकि ईडी अधिकारियों ने उन्हें भागने से रोक लिया और उनका मोबाइल फ़ोन भी बरामद कर उसे जब्त कर लिया। इसके बाद टीएमसी विधायक को कोलकाता लाया गया। 2023 में भी सीबीआई के अधिकारियों द्वारा उनके घर पर छापेमारी के बाद तृणमूल विधायक ने सुबूत मिटाने के लिए अपने दो मोबाइल फोन एक तालाब में फेंक दिए थे। ईडी की टीम ने इस दिन कोलकाता समेत मुर्शिदाबाद, बीरभूम जिले के कई स्थानों पर छापेमारी की। साहा के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जिले के आंदी स्थित उनके आवास पर छापेमारी की गई। ईडी की टीम के साथ केंद्रीय बल के जवान भी थे।

सूत्रों के मुताबिक जांच अधिकारियों ने जिले के रघुनाथगंज के पियारापुर स्थित टीएमसी विधायक के ससुराल में भी तलाशी अभियान चलाया।

इसके अलावा बीरभूम के साईंथिया में जीबनकृष्ण साहा की मौसी तथा टीएमसी की पार्षद माया साहा के आवास पर भी छापेमारी की गई। वहीं मुर्शिदाबाद के महिषग्राम में बैंक कर्मचारी राजेश घोष के आवास पर भी छापेमारी की गई।

समय रैना को सुप्रीम कोर्ट से फटकार, दिव्यांगों का मजाक बनाने पर जताई नाराजगी; दिया ये निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मशहूर कॉमेडियन समय रैना और अन्य लोगों को दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के लिए माफी मांगने का सख्त आदेश दिया है।

कोर्ट ने साफ कहा कि ऐसे कृत्यों के लिए उचित सजा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। यह मामला SMA Cure Foundation की याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया। याचिका में कॉमेडियन्स पर दिव्यांगों के खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणियों का आरोप लगाया गया था।

लाइव एंड लॉ के अनुसार, याचिका में समय रैना, विपुन गोयल, बलराज परमजीत सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तनवार का नाम शामिल है। इन पर आरोप है कि इन्होंने अपने कार्यक्रमों और पॉडकास्ट में ऐसी टिप्पणियां कीं, जो दिव्यांगों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। इस याचिका की सुनवाई जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची कर रहे हैं।

केंद्र को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश- यह याचिका रणवीर अल्लाहबादिया और आशीष चंचलानी के मामलों के साथ भी जोड़ी गई है, जो 'India's Got Latent' विवाद से जुड़े हैं। दोनों ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने की मांग की है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को पक्षकार बनाने की अनुमति दी और अटॉर्नी जनरल से कहा कि वे ऐसी गाइडलाइंस तैयार करें, जो सभी के अधिकारों की रक्षा करें और किसी की गरिमा, सम्मान या आत्मसम्मान को ठेस न पहुंचे।

गाइडलाइंस बनाने में याचिकाकर्ता SMA Cure Foundation से सक्रिय सलाह ली जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि अन्य हितधारकों के सुझाव भी लिए जाएं। गाइडलाइंस किसी एक घटना की प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर व्यापक होनी चाहिए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

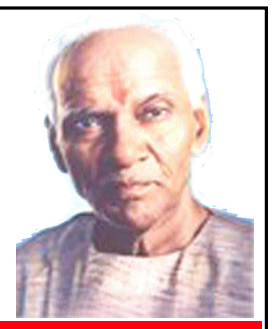

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृतीया

संपादकीय

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानव जन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है, जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है।इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन- प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा,धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं ।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरीआस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है। साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की,वाह क्या बात है,आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए। साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था में आशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा, जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है।

चतुरसेन शास्त्री

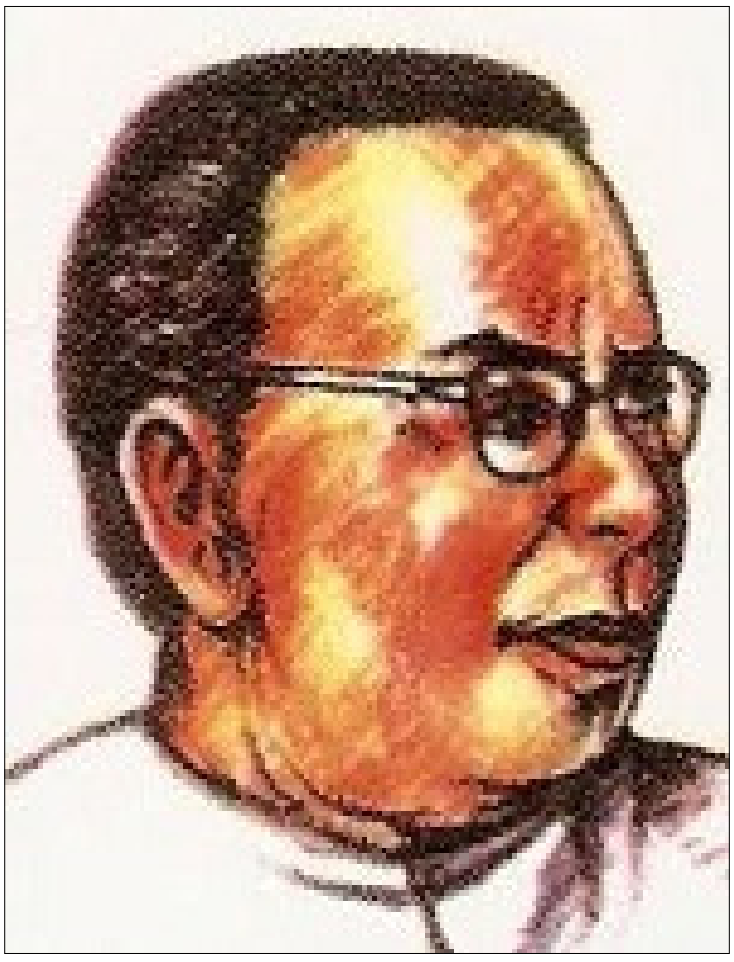

आचार्य चतुरसेन शास्त्री हिन्दी साहित्य के महान् उपन्यासकार थे। इनका अधिकांश लेखन ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित था। आचार्य चतुरसेन के उपन्यास रोचक और दिल को छूने वाले होते है। इनकी प्रमुख कृतियाँ गोली, सोमनाथ, वयं रक्षामः और वैशाली की नगरवधू इत्यादि हैं।

जीवन परिचय- आचार्य चतुरसेन शास्त्री का जन्म 26 अगस्त, 1891 को चांदोख ज़िला बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश में हुआ था। ऐतिहासिक उपन्यासकार के रूप में इनकी प्रतिष्ठा है। चतुरसेन शास्त्री की यह विशेषता है कि उन्होंने उपन्यासों के अलावा और भी बहुत कुछ लिखा है, कहानियाँ लिखी हैं, जिनकी संख्या प्रायः साढ़े चार सौ है। गद्य-काव्य, धर्म, राजनीति, इतिहास, समाजशास्त्र के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पर भी उन्होंने अधिकारपूर्वक लिखा है।

द्विवेदी युग में देवकीनन्दन खत्री, गोपालराम गहमरी, किशोरीलाल गोस्वामी आदि रचनाकारों ने तिलस्मी एवं जासूसी उपन्यास लिखे जो कि उन दिनों अत्यन्त लोकप्रिय हुए। देवकीनन्दन खत्री जी की ÷चन्द्रकान्ता÷ उपन्यास तो लोगों को इतनी भायी कि लाखो लोगों ने उसे पढ़ने के लिए हिन्दी सीखा। तिलस्मी और जासूसी उपन्यासों के लेखकों के अतिरिक्त प्रेमचन्द, वृंदावनलाल वर्मा, आचार्य चतुरसेन शास्त्री, विश्वम्भर नाथ कौशिक, चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी', सुदर्शन, जयशंकर 'प्रसाद' आदि द्विवेदी युग के साहित्यकार रहे।

सन 1943-44 के आसपास जब हम लोग दिल्ली आए तो देश की राजधानी कहलाने वाली दिल्ली में हिन्दी भाषा और साहित्य का कोई विशेष प्रभाव नहीं था। यदाकदा धार्मिक अवसरों पर कवि-गोष्ठियां हो जाया करती थीं। एकाध बार हिन्दी साहित्य सम्मेलन का अधिवेशन भी हुआ था। लेकिन उस समय आचार्य चतुरसेन शास्त्री और जैनेन्द्रकुमार के अतिरिक्त कोई बड़ा साहित्यकार दिल्ली में नहीं था। बाद में सर्वश्री गोपालप्रसाद व्यास, नगेन्द्र, विजयेन्द्र स्नातक आदि यहां आए।

रचनायें- मेरठ क्षेत्र की सुदीर्घ साहित्यिक परंपरा रही है। यहां के साहित्यकारों ने हिन्दी साहित्य में न केवल इस क्षेत्र के जनजीवन के सांस्कृतिक पक्ष को अभिव्यक्त किया, बल्कि इस अंचल की भाषिक संवेदना को भी पहचान दी। इन साहित्यकारों के बिना हिन्दी साहित्य का इतिहास पूरा नहीं हो सकता। 26 अगस्त, 1891 को बुलंदशहर के चंदोक में जन्मे आचार्य चतुरसेन शास्त्री ने 32 उपन्यास, 450 कहानियां और अनेक नाटकों का सृजन कर हिन्दी साहित्य को समृद्ध किया। ऐतिहासिक उपन्यासों के माध्यम से उन्होंने कई अविस्मरणीय चरित्र हिन्दी साहित्य को प्रदान किए। सोमनाथ, वयं रक्षामः, वैशाली की नगरवधू, अपराजिता, केसरी सिंह की रिहाई, धर्मपुत्र, खग्रास, पत्थर युग के दो बुत, बगुला के पंख उनके महत्त्वपूर्ण उपन्यास हैं। चार खंडों में लिखे गए सोना और खून के दूसरे भाग में 1857 की क्रांति के दौरान मेरठ अंचल में लोगों की शहादत का मार्मिक वर्णन किया गया है। गोली उपन्यास में राजस्थान के राजा-महाराजाओं और दासियों के संबंधों को उकेरते हुए समकालीन समाज को रेखांकित किया गया है। अपनी समर्थ भाषा शैली के चलते शास्त्रीजी ने अद्भुत लोकप्रियता हासिल की और वह जन साहित्यकार बने।

इनकी प्रकाशित रचनाओं की संख्या 186 है, जो अपने ही में एक कीर्तिमान है। आचार्य चतुरसेन मुख्यतः अपने उपन्यासों के लिए चर्चित रहे हैं। इनके प्रमुख उपन्यासों के नाम हैं-

- वैशाली की नगरवधू
- वयं रक्षाम
- सोमनाथ
- मन्दिर की नर्तकी
- रक्त की प्यास
- सोना और खून (चार भागों में)
- आलमगीर
- सह्याद्रि की चट्टानें
- अमर सिंह
- हृदय की परख

इनकी सर्वाधिक चर्चित कृतियाँ 'वैशाली की नगरवधू', 'वयं रक्षाम' और 'सोमनाथ' हैं। हम यहाँ 'वैशाली की नगरवधू' की विस्तृत चर्चा करेंगे, जो कि इन तीनों कृतियों में सर्वश्रेष्ठ है। यह बात कोई इन पंक्तियों का लेखक नहीं कह रहा, बल्कि स्वयं आचार्य शास्त्री ने इस पुस्तक के सम्बन्ध में उल्लिखित किया है - मैं अब तक की अपनी सारी रचनाओं को रद्द करता हूँ, और वैशाली की नगरवधू को अपनी एकमात्र रचना घोषित करता हूँ। भूमिका में उन्होंने स्वयं ही इस कृति के कथानक पर अपनी सहमति दी है -यह सत्य है कि यह उपन्यास है। परन्तु इससे अधिक सत्य यह है कि यह एक गम्भीर रहस्यपूर्ण संकेत है, जो उस काले पर्दे के प्रति है, जिसकी ओट में आर्यों के धर्म, साहित्य, राजसत्ता और संस्कृति की पराजय, मिश्रित जातियों की प्रगतिशील विजय सहस्राब्दियों से छिपी हुई है, जिसे सम्भवतः किसी इतिहासकार ने आँख उघाड़कर देखा नहीं है।

आचार्य चतुरसेन की पुस्तक वयं रक्षामः का मुख्य पात्र रावण है न कि राम। यह रावण से संबन्धित घटनाओं का ज़िक्र करती है और उनका दूसरा पहलू दिखाती है। इसमें आर्य और संस्कृति के संघर्ष के बारे में चर्चा है। आर्य संस्कृति के बारे में यह कुछ इस प्रकार बताती है-

उन दिनों तक भारत के उत्तराखण्ड में ही आर्यों के सूर्य-मण्डल और चन्द्र मण्डल नामक दो राजसमूह थे। दोनों मण्डलों को मिलाकर आर्यावर्त कहा जाता था। उन दिनों आर्यों में यह नियम प्रचलित था कि सामाजिक श्रंखला भंग करने वालों को समाज-बहिष्कृत कर दिया जाता था। दण्डनीय जनों को जाति-बहिष्कार के अतिरिक्त प्रायश्चित जेल और जुर्माने के दण्ड दिये जाते थे। प्रायः ये ही बहिष्कृत जन दक्षिणारण्य में निष्कासित, कर दिये जाते थे। धीरे-धीरे इन बहिष्कृत जनों की दक्षिण और वहां के द्वीपपुंजों में दस्यु, महिष, कपि, नाग, पौण्ड, द्रविण, काम्बोज, पारद, खस, पल्लव, चीन, किरात, मल्ल, दरद, शक आदि जातियां संगठित हो गयी थीं।- वयं रक्षामः से

आचार्य चतुरसेन शास्त्री के भी अपने लेखन के संबंध में कुछ ऐसे ही वक्तव्य मिल जाते हैं। सोमनाथ के विषय में उन्होंने लिखा है कि कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी के उपन्यास जय सोमनाथ को पढ़ कर उनके मन में आकांक्षा जागी कि वे मुंशी के नहले पर अपना दहला मारें; और उन्होंने अपने उपन्यास सोमनाथ की रचना की। वयंरक्षामः की भूमिका में उन्होंने स्वीकार किया है कि उन्होंने कुछ नवीन तथ्यों की खोज की है, जिन्हें वे पाठक के मुँह पर मार रहे हैं। परिणामतः नहले पर दहला मारने के उग्र प्रयास में सोमनाथ अधिक से अधिक चामत्कारिक तथा रोमानी उपन्यास हो गया है; और अपने ज्ञान के प्रदर्शन तथा अपने खोजे हुए तथ्यों को पाठकों के सम्मुख रखने की उतावली में, उपन्यास विधा की आवश्यकताओं की पूर्ण उपेक्षा कर वे वयंरक्षामः और सोना और खून में पृष्ठों के पृष्ठ अनावश्यक तथा अतिरेकपूर्ण विवरणों से भरते चले गए हैं। किसी विशिष्ट कथ्य अथवा प्रतिपाद्य के अभाव ने उनकी इस प्रलाप में विशेष सहायता की है। ये कोई ऐसे लक्ष्य नहीं हैं, जो किसी कृति को साहित्यिक महत्व दिला सकें अथवा वह राष्ट्र और समाज की स्मृति में अपने लिए दीर्घकालीन स्थान बना सकें। सोना और खून लिखते हुए चतुरसेन शास्त्री, कदाचित् इतिहास की रौ में ऐसे बह गए कि भूल ही गए कि वे उपन्यास लिख रहे हैं, अतः सैकड़ों पृष्ठ इतिहास ही लिखते चले गए। इससे उपन्यास तत्व की हानि होती है; क्योंकि उपन्यास मात्र इतिहास नहीं है। वैशाली की नगरवधू तथा अन्य अनेक ऐतिहासिक उपन्यास लिखने का लक्ष्य एक विशेष प्रकार के परिवेश का निर्माण करना भी हो सकता है; किंतु इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि अनेक लोग वैशाली की नगरवधू में स्त्री की बाध्यता और पीड़ा देखते हैं। वैसे इतिहास का वह युग, एक ऐसा काल था, जिसमें साहित्यकार को अनेक आकर्षण दिखाई देते हैं। महात्मा बुद्ध, आम्रपाली, सिंह सेनापति तथा अजातशत्रु के आसपास हिन्दी साहित्य की अनेक महत्त्वपूर्ण कृतियों ने जन्म लिया है।

सस्ते में हिमालय घूमने का मौका, ये रहा नीले पहाड़, लाल नदी जैसे अनोखी यात्रा का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप छुट्टियों में कहीं ऐसी जगह जाना चाहते हैं जहाँ भीड़-भाड़ से दूर सिर्फ प्रकृति का साथ मिले, तो पूर्वोत्तर भारत लिए किसी सपने से कम नहीं है। नीले पहाड़ों से घिरा, हरी-भरी घाटियों और बहती नदियों से सजा यह इलाका पर्यटकों के लिए जन्नत माना जाता है। यहाँ सूरज की पहली किरण भारत में सबसे पहले पड़ती है और हर सुबह को खास बना देती है।

यहाँ घूमने का मजा सिर्फ सुकून के लिए नहीं बल्कि रोमांच के लिए भी है। जंगली जीवन को करीब से देखना, झरनों की आवाज सुनना और बर्फ से ढकी चोटियों को निहारना सब कुछ यहाँ है।

पैकेज की खास बातें- IRCTC ने ईस्टर्न हिमालयन नाम से एक पैकेज तैयार किया है, जिसमें ट्रेन और रोड दोनों का सफर शामिल है। पैकेज हर शनिवार हावड़ा से शुरू होता है और गुरुवार को वापसी होती है। 6 दिन और 5 रात के इस सफर में गंगटोक और दार्जिलिंग दोनों जगहों पर घूमने का मौका मिलेगा।

यात्रा का शेड्यूल- हावड़ा से न्यू जलपाईगुड़ी तक ट्रेन और फिर रोड से आगे की यात्रा होगी। गंगटोक और दार्जिलिंग के अच्छे होटलों में रुकने का इंतजाम किया गया है। खाने-पीने की सुविधा जैसे नाश्ता और डिनर शामिल, साथ ही ट्रेन का भोजन भी है। इस टूर में त्सोमगो झील, बाबा मंदिर, टाइगर हिल, मठ, चाय बागान, और स्थानीय दर्शनीय स्थल देखने को मिलेंगे।

पैकेज का किराया- कम्फर्ट और डीलक्स दोनों कैटेगरी उपलब्ध हैं। कीमत लगभग ?29,785 से शुरू होकर ?46,745 प्रति व्यक्ति तक जाती है। बच्चों के लिए अलग दरें रखी गई हैं। पैकेज में रोपवे, घुड़सवारी जैसी अतिरिक्त गतिविधियों का शुल्क शामिल नहीं है।

गोल्ड से कितना अलग होता है Diamond का कैरेट? एक कैरेट हीरे की कीमत भारत में कितनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरा एक कीमती रत्न है, जो ज्वैलरी के अलावा निवेश के लिहाज से भी अच्छा ऑप्शन है। हीरे की कीमत की बारीकियों को समझना खरीदारी से पहले बेहद जरूरी है। साथ ही आपको ये भी जानना चाहिए कि इसमें कैरेट का अर्थ क्या होता है।

एक कैरेट हीरे की कीमत उसकी कटाई, कलर, क्लैरिटी और सर्टिफिकेशन समेत कई फैक्टर्स के आधार पर कम-ज्यादा हो सकती है। यहां हम आपको हीरे के कैरेट की जानकारी देंगे और साथ ही बताएंगे कि कैरेट के हिसाब से भारत में डायमंड का रेट कितना होता है।

क्या होता है डायमंड में कैरेट का अर्थ- भारत समेत दुनिया भर में हीरे के वजन को मापने की इकाई कैरेट है, न कि उसका साइज। एक कैरेट को 200 मिलीग्राम (या 0.2 ग्राम) में स्टैंडर्डाइज्ड किया जाता है। प्रत्येक कैरेट को 100 पॉइंट्स में डिवाइड किया जाता है, इसलिए 0.50 कैरेट के हीरे को 50 पॉइंट्स वाला हीरा भी कहा जाता है। हीरे की कीमत उसके कैरेट वेट के साथ बढ़ती है।

चार ष्ट में हीरे की कटाई शामिल है जो हीरे को सटीक आकार देती है और उसे और भी चमकदार बनाती है। इसके बाद रंग आता है - D (रंगहीन) से Z (हल्का पीला या भूरा)। रंगहीन हीरे (D-F) दुर्लभ होते हैं और इसलिए ज़्यादा महंगे होते हैं।

AGR पर राहत की खबर से Vi के शेयर में जोरदार उछाल, दूरसंचार विभाग के प्रस्ताव पर PMO लेगा फैसला

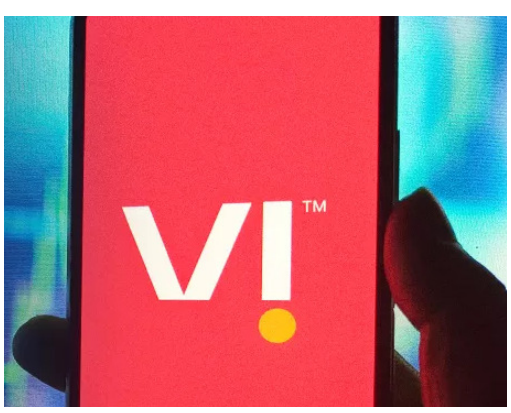

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज Vi के शेयर में 7.5 फीसदी तक की तेजी आई। इससे इस शेयर में दो दिनों की तेजी 13 फीसदी से अधिक हो गयी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री ऑफिस (पीएमओ) वीआई के लिए AGR (एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू) पर राहत देने के प्रस्ताव पर फैसला लेने के लिए तैयार है।

NSE पर वीआई का शेयर फ्लैट 7.07 रु पर खुला और कारोबार के दौरान 7.60 रु तक उछला। फिलहाल 3 बजे इसका शेयर 0.33 रु या 4.67 फीसदी की मजबूती के साथ 7.40 रु पर है।

दूरसंचार विभाग का राहत प्रस्ताव- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पीएमओ को दूरसंचार विभाग से एक अनौपचारिक नोट मिला, जिसमें कर्ज में डूबी वीआई के लिए कई राहत विकल्पों का प्रस्ताव दिया गया। DoT की तरफ से सुझाए गए विकल्पों में बकाया राशि के भुगतान पर दो साल की और रोक शामिल है, जो फिलहाल भी वीआई के लिए लागू है।

वीआई को और समय देने की मांग

रिपोर्ट में कहा गया है कि दूरसंचार विभाग ने वोडाफोन आइडिया को बकाया चुकाने के लिए अधिक समय देने का प्रस्ताव रखा है। अन्य प्रस्तावों में सालाना छोटी-छोटी पेमेंट और एजीआर पेमेंट पर पेनल्टी और ब्याज में छूट देना भी शामिल है।

वीआई पर कुल कितना बकाया- वोडाफोन आइडिया बकाया राशि से जूझ रही है। इस पर लगभग 83,400 करोड़ रुपये का बकाया एजीआर है, जिसमें मार्च 2025 से लगभग 18,000 करोड़ रुपये की सालाना पेमेंट फिक्स है। सरकार के लिए वीआई पर कुल बकाया लगभग 2 लाख करोड़ रु है, जिसमें जुर्माना और ब्याज शामिल है।

22 सितंबर से लागू हो सकती हैं नई दरें, नवरात्रि-दिवाली खरीदारी में राहत; क्या हो सकता है बदलाव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में टैक्स सिस्टम को सरल बनाने के लिए सरकार 22 सितंबर से नया त्स्ज्ञ टैक्स स्लैब लागू करने की तैयारी में है। यह तारीख नवरात्रि (22 सितंबर से 2 अक्टूबर) के साथ मेल खाती है, जिससे त्योहारी खरीदारी में ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

नए स्लैब से आवश्यक वस्तुओं पर कर कम हो सकता है, जिसका फायदा आम जनता को होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और छोटे व्यवसायों को भी लाभ होगा। सरकार जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है।

क्या बदलने वाला है- अभी त्स्ज्ञ में चार स्लैब हैं- 5%, 12%, 18% और 28त्न। नए प्रस्ताव के तहत इसे घटाकर दो स्लैब 5% और 18% कर दिया जाएगा। 5% स्लैब में मेरिट गुड्स यानी जरूरी सामान आएंगे।

18% स्लैब में मानक वस्तुएं और सेवाएं होंगी। इसके अलावा, अल्ट्रा-लक्ज़री कारें और पाप-संबंधी प्रोडक्ट्स पर 40% तक का स्पेशल टैक्स लगेगा।

कब होगा फैसला - दिल्ली में 3-4 सितंबर को त्स्ज्ञ काउंसिल की मीटिंग होनी है, जिसमें केंद्र और देश के सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल होंगे। इस मीटिंग में नई दरों को लेकर अंतिम चर्चा होगी। फैसले के 5-7 दिन बाद नोटिफिकेशन जारी होंगे और 22 सितंबर तक लागू हो सकते हैं।

विश्लेषकों का आकलन- भारत का घरेलू बाजार बड़ा, इसलिए ट्रंप के 50% टैरिफ का विकास दर पर नहीं होगा बड़ा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो जाने के आसार हैं। अभी भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ है और रूस से तेल खरीदने के कारण राष्ट्रपति ट्रंप ने 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। व्हाइट हाउस की तरफ से इसकी समय सीमा बढ़ाने या किसी तरह का लचीला रुख दिखाने का कोई संकेत अभी तक नहीं है।

विश्लेषकों और कई वैश्विक रिपोर्टों का कहना है कि मजबूत घरेलू मांग के कारण 50 प्रतिशत टैरिफ का भारत की ग्रोथ पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। श्रम प्रधान टेक्सटाइल और जेम्स-ज्वैलरी सेक्टर पर मामूली प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन छूट, मौजूदा टैरिफ ढांचे और मजबूत घरेलू मांग के कारण दवाइयां, स्मार्टफोन और स्टील जैसे क्षेत्र फिलहाल सुरक्षित हैं।

फिच रेटिंग्स ने सोमवार को भारत की सॉवरेन रेटिंग को स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'बीबीबी-' पर बरकरार रखते हुए कहा कि अमेरिका को निर्यात भारत की जीडीपी का सिर्फ 2 प्रतिशत है। इसलिए टैरिफ बढ़ने का भारत की जीडीपी ग्रोथ पर मामूली प्रभाव पड़गा। फिच का यह भी मानना है कि भारतीय वस्तुओं पर अभी टैरिफ भले 50 प्रतिशत हो जाए, लेकिन दोनों देशों के बीच ट्रेड वार्ता संपन्न होने पर इसमें कमी आएगी।

रेटिंग एजेंसी का कहना है कि भारत का आर्थिक दृष्टिकोण प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में मजबूत है, भले ही पिछले दो वर्षों में गति धीमी हुई हो।

इसने जीएसटी दरों में प्रस्तावित सुधार को भी इसकी वजह माना है। इसने कहा है, यदि प्रस्तावित जीएसटी सुधार अपनाए जाते हैं, तो इससे उपभोग को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रोथ संबंधी कुछ जोखिम कम हो जाएंगे। इसने वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद जताई है।

बाइक पर लगा लें ये छोटा बॉक्स और करें कमाई, सरकार 60 फीसदी तक सब्सिडी भी देगी, सीधे 75000 का है मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप मत्स्य पालन (फिशरी) से जुड़े हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। अब सरकार आपकी बाइक पर छोटा-सा आइस बॉक्स लगवाकर आपको अच्छी कमाई का मौका दे रही है। ये योजना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत चल रही है, जिसे हरियाणा मत्स्य विभाग लागू कर रहा है। और यह हरियाणा प्रदेश के लिए है।

क्या है योजना- योजना के तहत आपको "Motorcycle with Ice Box" यानी बर्फ रखने वाला बॉक्स लगे हुए मोटरसाइकिल खरीदने में मदद मिलेगी। इसका फायदा यह होगा कि आप मछलियों को आसानी से और ताजगी के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुँचा सकेंगे। इस पूरी यूनिट की लागत 75,000 है। इसमें सरकार आपकी मदद सब्सिडी देकर करेगी। इसमें सामान्य वर्ग के लिए 40% तक सब्सिडी मिलेगी। जबकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएँ और कमजोर वर्ग के लिए यह 60% तक सब्सिडी होगी। यानि आपको 75,000 लगाने पर इस पर 40-60 फीसदी तक की सब्सिडी मिल सकती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

भोपाल में कॉपी गुम होने पर पिता ने डांटा, सातवीं कक्षा की छात्रा ने लगाई फांसी

भोपाल। कटाराहिल्स क्षेत्र में एक सातवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगा ली। सोमवार को स्कूल जाने से पहले छात्रा की सिविक्स विषय की कापी गुम हो गई थी, जिसके बाद उसे पिता ने डांट दिया था। वह घर के कमरे में अपनी कापी ढूंढने रही थी। उसकी मां और पिता दो छोटे भाईयों को स्कूल छोड़ने गए थे। छात्रा ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। पुलिस ने सोमवार को शव का पीएम करवा लिया। मृतका के पिता मूल रूप से सतना जिले के रहने वाले हैं। उसका शव वे पैतृक गांव लेकर रवाना हो गए हैं।

कार के मालिकाना हक को लेकर हुआ विवाद, बदमाशों ने 3 युवकों को डंडों से पीटा; सीसीटीवी फुटेज आया सामने

भोपाल। कार के मालिकाना हक के विवाद में बागसेवनिया स्थित दानिश नगर चौराहा पर चार युवकों ने तीन दोस्तों को लाठी-डंडों से पीट दिया। साथ ही एक युवक पर कार चढ़ा दी। युवक कार के विवाद में फंसे दोस्त और दूसरे बदमाश को समझाने के लिए पहुंचा था। तभी बदमाश के कार सवार दोस्त पीछे से आए और युवक व उसके दो साथियों पर हमला बोल दिया। साथ ही भागने के प्रयास में आरोपितों ने युवक पर कार चढ़ा दी। मारपीट में तीनों युवक घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद दो युवकों को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

कागजों में 23 घंटे 49 मिनट बिजली, हकीकत में 16 घंटे मिल रही, रोज 4-5 घंटे कटौती

ग्वालियर। विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ताओं को औसतन 23 घंटे 49 मिनट बिजली देने का दावा करती है, लेकिन शहर की हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। उपभोक्ताओं को 16 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसके पीछे के कारण रोजाना ट्रिपिंग और औसतन चार से पांच घंटे आपूर्ति बाधित रहना है। वहीं करीब दो से तीन घंटे की अघोषित कटौती अलग।

कई फीडरों पर ये काम सिर्फ कागजों तक

बार-बार बिजली गुल से उपभोक्ताओं की दिनचर्या बिगड़ रही है और व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे हैं। मेंटेनेंस और विद्युत निर्माण कार्य के नाम पर सालभर कटौती की जाती रही, लेकिन हकीकत यह है कि कई फीडरों पर ये काम सिर्फ कागजों तक सीमित रहे। वर्षा से पहले घंटों कटौती कर ट्रांसफॉर्मर क्षमता बढ़ाने और जर्जर लाइनें दुरुस्त करने का दावा किया गया था, लेकिन जमीनी हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थिरता में कोई बड़ा बदलाव नहीं

बढ़ती बिजली समस्या से नाराजगी इतनी बढ़ी कि खुद ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को भी मैदान में उतरकर हालात देखने पड़े। इसके बावजूद आपूर्ति की स्थिरता में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा। हर दिन प्रभावित होते हजारों उपभोक्ता शहर के चार नगर संभागों में संधारण और निर्माण कार्य के नाम पर रोजाना 30 से 50 हजार उपभोक्ता प्रभावित होते हैं।

आंकड़ों का खेल

खास बात यह है कि इन बाधाओं को कंपनी के आधिकारिक आंकड़ों में शामिल नहीं किया जाता। शहरी क्षेत्र में जहां कागजों पर 23 घंटे 49 मिनट सप्लाई दिखाई जाती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए नौ घंटे से ज्यादा बिजली का दावा किया जा रहा है। असलियत यह है कि कंपनी उपभोक्ताओं के साथ आंकड़ों का खेल खेल रही है।

कंपनी के दावे बनाम हकीकत

कंपनी का दावा शहर में औसतन 23 घंटे 49 मिनट सप्लाई

दिनभर में 4ङ्क5 बार ट्रिपिंग

4ङ्क5 घंटे तक कटौती

2ङ्क3 घंटे अघोषित

गुल मेंटेनेंस और निर्माण कार्य से सुधार मरम्मत के बाद भी घास-पेड़ तारों को छूते,

खराब लाइन जस की तस ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाने और लाइन दुरुस्त करने का कामघंटों कटौती के बावजूद समस्याएं खत्म नहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 9 घंटे से अधिक सप्लाई कटौती और बाधाएं कहीं ज्यादा रोजाना प्रभावित उपभोक्ताओं 30ङ्क50 हजार उपभोक्ता प्रभावित, लेकिन आंकड़ों से बाहर

शहरी उपभोक्ता = 3 लाख 9 हजार 208

ग्रामीण उपभोक्ता- 2 लाख 1 हजार 200

रीवा में पार्षद अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार, तीन और आपराधिक मामले दर्ज

रीवा। प्रदेश के उमरिया जिले के एक वर्तमान पार्षद को रीवा में एक अवैध पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने यह कार्रवाई की, जिसमें पार्षद के कब्जे से एक पिस्टल बरामद की गई है। आरोपी की पहचान राहुल द्विवेदी उम्र 30 वर्ष के रूप में हुई है, जो उमरिया जिले का निवासी है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ पहले से ही तीन अन्य मामले दर्ज हैं।यह घटना उस समय सामने आई जब रीवा के पुलिस अधीक्षक राजीव पाठक और कोतवाली पुलिस की टीम ने एक मुखबिर की सूचना पर रीवा के इको पार्क में छापा मारा। पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई की और बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की। छापेमारी के दौरान, पुलिस ने राहुल द्विवेदी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक पिस्टल मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस ने तुरंत आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी राहुल द्विवेदी न केवल उमरिया जिले का एक मौजूदा पार्षद है, बल्कि उसका एक लंबा आपराधिक रिकॉर्ड भी है। उसके खिलाफ पहले से ही तीन अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं, जो उसकी संलिप्तता को और भी गंभीर बनाते हैं।

इस गिरफ्तारी ने स्थानीय राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक जनप्रतिनिधि का इस तरह से अवैध गतिविधि में शामिल होना गंभीर चिंता का विषय है। यह घटना यह दर्शाती है कि समाज में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस कितनी सक्रिय है। एक जनप्रतिनिधि होने के बावजूद, राहुल द्विवेदी ने कानून का उल्लंघन किया, जिससे उसकी साख पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि वह अवैध हथियार कहां से लाया था और उसका उद्देश्य क्या था। इस गिरफ्तारी से यह संदेश गया है कि कानून का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो।

यह मामला अब आगे की जांच के लिए न्यायालय में भेजा जाएगा, जहां दोषी पाए जाने पर उसे कड़ी सजा मिल सकती है। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि पुलिस जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

साले की मदद बनी मौत का कारण, बाप-बेटे ने गाड़ी से उड़ाया, चढ़े पुलिस के हत्थे

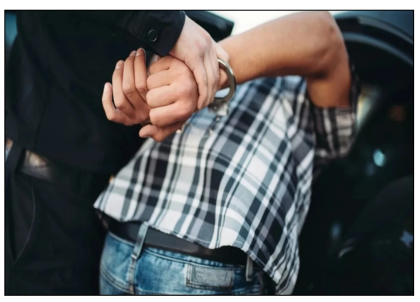

ग्वालियर। गर्गाचार्य शास्त्री की 4 मार्च 2025 को डबरा ग्वालियर हाईवे पर वाहन से कुचलकर हत्या करने के दो आरोपी जो फरार चल रहे थे, उन्हें पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं इस मामले में लिप्त दो अन्य आरोपितों को पुलिस पहले ही पकड़ चुकी है। पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने हत्या करना कबूल कर लिया है।

सिर पर चोट लगने से मौत-फरियादी लोकमन शर्मा ने बिलौआ थाने में रिपोर्ट लिखवाई थी कि 4 मार्च की शाम मेरे छोटे भाई गर्गाचार्य शास्त्री अपनी स्कूटी से अपने गांव लदवाया से ग्वालियर जा रहे था और पीछे-पीछे मैं भी अपनी मोटरसाईकिल से जा रहा था। जैसे ही मेरे छोटे भाई की स्कूटी राजपूत होटल के डबरा ग्वालियर हाईवे पर पहुंची तभी पीछे तरफ से डबरा की ओर से एक अज्ञात वाहन ने मेरे छोटे भाई गर्गाचार्य शास्त्री की स्कूटी में पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटी सहित रोड पर गिर गया और उसकी सिर में चोट लगने से मौत हो गई। जानें क्या है पूरा मामला

लोकमन ने बताया कि कमलकिशोर की लड़की व मृतक गर्गाचार्य के साले कुलदीप शर्मा ने प्रेम विवाह कर लिया था जिसकी गुमशुदगी थाना डबरा सिटी में दर्ज हुई थी। जिसके कारण लड़की के परिजन कमल किशोर रावत उनके लड़के तथा अन्य रिश्तेदार ने मेरे भाई को मारने की साजिश रची। इस मामले की गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने थाना बिलौआ पुलिस को इस मामले में तुरंत कार्रवाई के आदेश दिए। उसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी नीतेश उर्फ निक्की रावत को बझेरा रोड आंतरी के पास से पूर्व में ही गिरफ्तार कर लिया था।

सिंगरौली और श्योपुर मेडिकल कॉलेज को सौ-सौ एमबीबीएस सीटों की मान्यता के आसार

भोपाल। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को श्योपुर और सिंगरौली मेडिकल कालेज का लोकार्पण किया, पर अभी तक इन कालेजों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए मान्यता नहीं मिली है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) में बातचीत हुई है। दोनों जगह सौ-सौ सीटों की मान्यता मिलने की आशा है।

बता दें कि फैकल्टी की कमी के चलते एनएमसी ने निरीक्षण के बाद मान्यता से इन्कार कर दिया था। इसके बाद चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने दूसरे कालेजों से यहां के लिए फैकल्टी बुलाई है। अभी कॉलेजों में प्रवेश के लिए प्रथम चरण की काउंसिलिंग चल रही है। दूसरे चरण की काउंसलिंग तक मान्यता मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल अलग-अलग मंचों से कई बार दोनों कॉलेजों को 2025-26 सत्र से प्रारंभ करने की बात कह चुके हैं, पर फैकल्टी की भर्ती में विभाग शुरू से पिछड़ा रहा है। इन कॉलेजों के लिए दूसरे चरण की भर्ती इस वर्ष अप्रैल में निकाली गई, जबकि इस अवधि तक तो भर्ती प्रक्रिया पूरी हो जानी थी।

नियुक्ति आदेश के बाद भी जब इन दोनों कॉलेजों में दो तिहाई से अधिक शिक्षक जाने को तैयार नहीं हुए, तो दूसरे कॉलेजों से फैकल्टी को ट्रांसफर किया गया। प्राध्यापकों के पद भरना सबसे कठिन हो रहा है।

छोटे जिले होने के कारण फैकल्टी यहां जाने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में अगले वर्ष मंडला, छतरपुर और राजगढ़ मेडिकल कालेज प्रारंभ करने में भी फैकल्टी के पद भरने में मुश्किल आ सकती है।

इंदौर सम्भागायुक्त की पहल पर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र सिरवेल में आयोजित हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

विंद और आर्यन के दिल की इंदौर में होगी मुफ्त सर्जरी

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर इंदौर संभाग के खरगोन जिले के सिरवेल में द्वितीय स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। संभाग स्तरीय स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुँचे। शिविर में सोनोग्राफी मशीन, मेमोग्राफी मशीन, ईसीजी मशीनों के माध्यम महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जाँच के बाद नागरिकों को निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान की गयीं और साथ ही उन्हें चिकित्सा परामर्श दिया गया। शिविर में इंदौर के शंकरा नेत्र हॉस्पिटल के अलावा अरविंदो अस्पताल सहित विभिन्न शासकीय और निजी चिकित्सालयों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का उपचार किया। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के

निर्देशन में जिले के करीब 100 से अधिक इंदौर के चिकित्सकों के मार्गदर्शन में कार्य किया।

खरगोन जिले के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र सिरवेल में पहली बार ऐसा देखा गया, जहां न सिर्फ विशेषज्ञ चिकित्सक बल्कि अत्याधुनिक स्तर की मशीनों के द्वारा मरीजों की आवश्यक जांच के बाद उपचार हुआ। शिविर में आधुनिक मशीनों से उच्च रक्तचाप, कैंसर, डायबिटीज, दंत रोग, नेत्र रोग, थाईराईड आदि रोगों की निःशुल्क जाँचे की गयी। क्षेत्र के ऐसे नागरिक जो ठीक से जिला चिकित्सालय नहीं पहुँच पाते थे। आज उनके पास गांवों में इंदौर के विशेषज्ञ डॉक्टर स्वास्थ्य उपचार के लिए पहुँचे। इंदौर सम्भागायुक्त श्री दीपक की पहल पर संचालित ऐसे निःशुल्क शिविर नवम्बर माह तक जनजातीय क्षेत्रों में आयोजित होंगे। इसी श्रृंखला में रविवार को सिरवेल में स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। सीएमएचओ डॉ. एमएस सिसोदिया ने बताया कि शिविर में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक कुल 2777 मरीजों का पंजीयन किया गया।

छाती में दर्द की जांच के लिए पहुँचे 23 वर्षीय करण- सिरवेल के वन परिक्षेत्र कार्यालय में प्रांगण में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में चिरमुंडी के 23 वर्षीय करण पिता नानजीया अपने छाती के दर्द की समस्या की जांच के लिए पहुँचे थे। यहां उन्होंने पहले ईसीजी की जांच कराई। करण ने बताया कि निःशुल्क जांच करवाकर उन्हें मानसिक रूप से राहत मिली और इलाज कराने का अनुभव मिला है। उनका उपचार अरबिंदो हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. कुशाग्र टंडन ने किया। उन्होंने बताया कि शिविर में दिल से जुड़ी सभी जांचें की जा रही हैं।

ग्वालियर 'रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव'

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर में 29 एवं 30 अगस्त को होने वाली रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में निवेशकों से रू-ब-रू होकर प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं से अवगत करा कर सीधा संवाद भी करेंगे। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और ग्वालियरङ्चंबल एवं सागर संभाग में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव होगा। ग्वालियर के राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में होने वाले इस रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की विशेष उपस्थिति होगी।

पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बताया कि मध्यप्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि के साथ पर्यटन व्यवसायियों, टूर ऑपरेटर्स और होटल इंडस्ट्री के बीच सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित किया जा रहा है। इससे ग्वालियर के पर्यटन श्रेत्र में निवेश को नया आयाम मिलेगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं लघु उद्योग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों के हित में ही राष्ट्र का हित निहित है। लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सीमित संसाधनों का समुचित उपयोग कर हम इन उद्योगों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण हमारे उत्कर्ष को दर्शाता है। उद्योगों के विकास के लिए हमें पूरे देश के परिदृश्य में सोचना होगा। सभी जगह समान रूप से उद्योग लगाने होंगे, तभी संतुलित विकास हो सकेगा। देश हित में हम सब मिलजुलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम उद्योगों को विस्तार देने के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर

चलेंगे। हमने समाज के सभी वर्गों का बराबर ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को लघु उद्योग भारती के गोविंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र में नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लघु उद्योग भारती के करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय भवन %उद्यम सेतु%का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया।लोकार्पण अवसर पर लघु उद्योग भारती का द्वि-वार्षिक प्रादेशिक सम्मेलन और स्टार्टअप एवं लघु उद्यमी महाकुंभ-2025 भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य अतिथियों के साथ लघु उद्योग भारती के नए ब्रोशर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि किसी भी प्रकार का संस्थागत या बैंक लोन चुकता होते ही संबंधित बंधक संपत्ति मॉर्टगेज या डबल मॉर्टगेज से मुक्त हो जाएगी। इस प्रावधान का लाभ हम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्योगों (एमएसएमई इंडस्ट्री) को भी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लघु उद्योगों की स्थापना और इससे जुड़ी सभी कठिनाइयों का समुचित हल भी निकाला जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम एमएसएमई उद्योगों की स्थापना से जुड़ी सभी प्रकार की अनुमतियां को समयबद्ध कार्य योजना की अनुरूप समय-सीमा में देने का प्रावधान करने जा रहे हैं। प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योग लगाने वाले उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। प्रदेश में नया आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के लिए भी नीति से प्रावधान अनुसार सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में रिसर्च वर्क को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं।

रेस कोर्स रोड श्री संघ पर भगवान महावीर का जन्म वाचन... हरसहाए समाजजन आनंद का उत्सव

इंदौर। जिस प्रकार मित्रों का राजा नवकार मंत्र है, यंत्रों का राजा सिद्ध चक्र यंत्र है, वैसे ही पर्वों पर राजा प्रवाधिराज पर्यूषण महा हैं के चौथे व्याख्यान में आने वाले प्रभु महावीर के जन्म वाचन को सुनने के लिए लालायित रहते हैं।

यह विचार रविवार को पूज्य चंद्रयश विजय जी महाराज सा ने रेस कोर्स रोड श्री संघ धर्म सभा में व्यक्त किया। भगवान महावीर के जन्म वाचन पर खूब आनंद और उत्साह का माहौल बना हुआ था श्राविकाए ने मंगल गीत गा रही थी तो श्रावकगण गुरु भगवंत के पधारने की विनती कर रहे थे कुछ ही देर में गुरु भगवंत पधारे और फिर जो माहौल सृजन हुआ वह अद्भुत था। सर्वप्रथम जयंतीलाल जी श्रीमाल परिवार ओर फिर जय सिंह टीना जैन ने धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर रेस कोर्स रोड श्री संघ के ट्रस्टी डॉ प्रकाश बागनी, विपिन सोनी यशवंत जैन, विपिन कोचर, कीर्ति भाई डोसी, प्रवीण गुरुजी, दिलीप सी जैन विशेष सहभागिता रही। पालना झूलने में पुण्य पाल सुराणा के निवास स्थान दर्शन लाभ लिया।

पर्यूषण पर्व का पांचवा दिवस, पार्श्व कल्पतरु धाम पर आस्था का अनोखा समागम

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र कल्पतरुधाम (हाई लिंक सिटी) में आस्था अनोखा का उल्लास सुबह से शाम तक रहा, स्वर्ण शृंगार में सजे भगवान पार्श्वनाथ दिव्य प्रतिमा दर्शन देखें वाले अपने को धन्य समझ रहे थे, वही अमित आराधना भवन में सुबह पर्यूषण राज महापर्व के पांचवे दिन माता त्रिशला के 14 स्वप्नों का वाचन ओर भगवान महावीर के जन्म पर जय घोष भक्ति में नाचते गाते समाजजन का आनंद ओर उत्साह देखते बन रहा था, मात्रहृदया पूज्य अमित गुणा श्री जी महाराज सा और पूज्य स्नेहझरा श्री जी महाराज सा की निश्रा में भगवान महावीर के जन्म की घोषणा के साथ ही हजारों श्रद्धालुओं ने चावल बरसा कर हर्ष उल्लास के साथ जन्म उत्सव को महोत्सव में बदल दिया। श्री धरणीधर पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष पुंडरीक पालरेचा ने बताया कि रविवार सुबह से सैकड़ो श्रद्धालु पार्श्व कल्पतरु धाम पर जुटना शुरू हो गए थे सुबह 9 बजे भक्ति आराधना और स्वप्नों का वाचन सुन हर कोई मुग्ध और आश्चर्य में था, जन्म वाचन के बाद हजारों की संख्या में श्वेतांबर जैन समाज जन एक दूसरे को नारियल की गिरी खिलाकर बधाई दे रहे थे और केसरिया छापे उत्साह को दुगना कर रहे थे। दोपहर बाद तकरीबन 3000 हजार समाज जनों ने स्वामीवत्सलय (सहभोज) किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शांतु पालरेचा ,

सुरेश लोढ़ा ,अर्पित मारू,दीपक सुराणा ,कपिल कोठारी ,दिलीप खमिसरा,विशाल बम ,प्रदीप जैन ,अनिल महाराजा,सुरेश बोथरा आदि शामिल हुए। इस अवसर पर महिलाएं,वृद्ध एवं पुरुष भी परिवार के सदस्यों के मोजुदगी से आत्मीय माहौल 6 से 8 घंटे तक बना रहा।

तुलसी नगर में 19 लाख की लागत से स्टॉर्म वॉटर लाइन के निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ

इंदौर। तुलसी नगर अब जलभराव की समस्या से निजात पाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रहा है। रविवार को क्षेत्र में 19 लाख रुपए की लागत से बनने वाली स्टॉर्म वॉटर लाइन का भूमि पूजन स्थानीय विधायक महेंद्र हार्डिया ने वार्ड क्रमांक 37 की पार्षद संगीता महेश जोशी के साथ किया। इस मौके पर कॉलोनी के वरिष्ठजन, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में रहवासी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में नगर निगम मेयर-इन-काउंसिल सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया सहित के के झा, शंभूनाथ सिंह, शिव बहादुर सिंह, बसंत नायक, राकेश जायसवाल, कमलेश शर्मा, मनोज दीक्षित, निर्भय सिंह यदुवंशी, रूपेश शर्मा, रितेश देशमुख, गौरव डाबर आदि उपस्थित रहे।

हार्डिया ने कहा कि क्षेत्र की सक्रिय पार्षद संगीता महेश जोशी के प्रयासों से वार्ड 37 में हर रविवार किसी न किसी विकास कार्य का भूमि पूजन हो रहा है। उन्होंने घोषणा की कि तुलसी नगर की मुख्य सड़क का निर्माण लगभग 14 करोड़ की लागत से शीघ्र शुरू होगा, जिसमें सर्विस रोड भी शामिल होगी। इसके साथ ही तुलसी नगर ङ्क अपोलो डीबी सिटी मुख्य सड़क और राम मंदिर से जुड़ी बंद पड़ी मुख्य सड़क को भी नगर निगम से निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है।

पार्षद संगीता महेश जोशी ने आश्वस्त किया कि मुख्य सड़क के साथ ही तुलसी नगर के विभिन्न सेक्टर्स में सड़कों और ड्रेनेज लाइन का निर्माण चार चरणों में पूरा किया जाएगा। संबंधित प्लान अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है और अनुमोदन के बाद कार्य शुरू होंगे।

इस अवसर पर रहवासियों ने विधायक और पार्षद से तुलसी नगर के प्रवेश मार्गों, प्रवेश द्वारों के निर्माण, सेक्टर्स में साइनबोर्ड लगाने और तुलसी नगर पुलिया, बीसीएम पैराडाइज चौराहा व अपोलो डीबी सिटी के गेट नंबर 1 और 2 पर हाई मास्ट लाइट लगाने का अनुरोध किया।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नगर निगम के विशेष सम्मिलन में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर लगी मुहर

उज्जैन। नगर निगम परिषद का विशेष सम्मिलन सोमवार को निगम अध्यक्ष कलावती यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। सम्मिलन की कार्यवाही राष्ट्रगीत के साथ आरंभ की गई जिसके उपरांत कार्यसूची के प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया।

पूर्व निगम सामधारण सम्मिलन दिनांक 26.06.2025 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई।

दूधतलाई सुदामा मार्केट के पीछे का सुलभ शौचालय तोड़कर नवीन सुलभ शौचालय बनाए जाने सम्बंधित प्रकरण को स्वीकृति प्रदान की जाकर आधुनिक सुलभ शौचालय का निर्माण किये जाने के निर्देश दिए गए।

शासकीय सेवकों की मृत्यु होने पर देय अनुग्रह राशि (अनुदान) का पुनरीक्षण सम्बंधित प्रस्ताव अन्तर्गत शासकीय सेवकों की मृत्यु पर पूर्व में 50 हजार रूपये अनुग्रह राशि के रूप में दिए जाते थे जिसे राज्य शासन द्वारा अप्रेल 2025 में आदेश जारी किया जाकर अनुग्रह

राशि में पुनरीक्षण किया जाकर राशि रूपये 1,25,000/- अनुग्रह अनुदान को स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य शासन के आदेशानुसार एवं एमआईसी द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव को सर्वानुमति से स्वीकृति प्रदान की गई।

कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (यथा संशोधित) के प्रावधानों की प्रयोज्यता और धारा 1 (3) 1 (5) के तहत कारखानों और स्थापना के पंजीयन सम्बंधित प्रस्ताव अन्तर्गत निगम के ऐसे कर्मचारी/श्रमिक जिनका वेतन 21000/- से कम है को बीमारी, प्रसव, निःशक्तता तथा रोजगार चोट के कारण मृत्यु जैसी आकस्मिताओं के प्रभाव से संरक्षित करने तथा बीमाकृत व्यक्तियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने हेतु कर्मचारी राज्य बीमा अन्तर्गत पंजीयन किये जाने सम्बंधित प्रस्ताव को एमआईसी के प्रस्ताव अनुसार सर्वानुमति एवं ध्वनीमत से स्वीकृति प्रदान की गई।

गोपाल मंदिर छत्रीचौक स्थित रीगल टॉकिज का विकास कार्य सम्बंधित प्रस्ताव को पुरक प्रस्ताव के साथ सिंहस्थ मद से प्राप्त राशि से एमआईसी के प्रस्ताव अनुसार सर्वानुमति एवं ध्वनीमत से स्वीकृति प्रदान की गई।

गदापुलिया से रविशंकर नगर जयसिंह पुरा होते हुए लालपुल ब्रिज रोड़ तक चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य सम्बंधित प्रस्ताव एवं गाड़ी अड्डा चौराहे से वीडी क्लॉथ मार्केट केडी गेट मार्ग जूना सोमवारिया होते हुए बड़ी पुलिया तक का चौड़ीकरण कार्य सम्बंधित प्रस्ताव को सिंहस्थ मद से प्राप्त राशि से एमआईसी के प्रस्ताव अनुसार सर्वानुमति एवं ध्वनीमत से स्वीकृति प्रदान की गई।

सदन की कार्यवाही में महापौर मुकेश टटवाल, नेताप्रतिक्ष रविराय सहित अन्य पार्षदगणों द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गए।

सदन की सम्पूर्ण कार्यवाही सुचारू रूप से सम्पन्न होने पर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव द्वारा सदन के प्रति धन्यवाद प्रकट किया गया।

नशा मुक्ति, गुड टच बेड टच के साथ सनातन धर्म से जुड़े विषयों पर की बच्चों से चर्चा

समग्र स्वास्तिक परिवार एवं राम कृष्ण मिशन परिवार ने किया सेमीनार का आयोजन

उज्जैन। समग्र स्वास्तिक परिवार एवं राम कृष्ण मिशन परिवार उज्जैन के तत्वावधान में सेमिनार का आयोजन ने किया।

किया गया। जिसमें नशा मुक्ति अभियान, गुड टच बेड टच के साथ ही सनातन धर्म से जुड़े विषयों पर अतिथियों ने बच्चों से चर्चा की।

सेमीनार में अतिथि के रूप में शिवम गुरु उज्जैन संस्थापक अध्यक्ष समग्र स्वास्तिक परिवार, विजय गोस्वामी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ महानगर में सामाजिक सद्भाव सह संयोजक, महेश तिवारी जिला अध्यक्ष विश्व हिन्दू परिषद, सत्यनारायण सिंह, विजय चौहान, राजेश राठौर उपस्थित थे। संस्थापक प्रदीप सिंह, प्राचार्या मौलिश्री जायसवाल, व्यवस्थापक पवन शर्मा, नरेंद्रसिंह चावड़ा, लता रंजन, हर्षिता चौहान, वंदना शर्मा ने अतिथियों का स्वागत सम्मान किया। संचालन नेहा शर्मा

हरितालिका तीज के पहले मनाया 'आवरणं उत्सव'

उज्जैन। महाराष्ट्र समाज की महिला शाखा वनिता मंडल द्वारा 'आवरणं उत्सव' समाज भवन क्षीरसागर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह उत्सव प्रतिवर्ष हरितालिका तीज के एक दिन पहले मनाया जाता है। इस उत्सव में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 'खेळ गं सखी खेळ' खेला गया। प्रथम स्थान वीणा पाध्ये, द्वितीय स्थान पर वीणा पाठक और तृतीय स्थान पर मीनाक्षी हिंगे रही। जी टीवी के प्रसिद्ध शो होम मिनिस्टर की तर्ज पर आयोजित इस कार्यक्रम में सभी विजेताओं को पैठणी साडी उपहार स्वरुप दी गयी।

प्रख्यात व्यंग्यकार शरद जोशी अलंकरण से भोपाल में स्वामी मुस्कुराके सम्मानित

उज्जैन। साहित्य अकादमी, मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, संस्कृति, विभिन्न बोलियां के विशिष्ट अलंकरण समारोह का आयोजन अंजनी सभागृह रविंद्र भोपाल में गरिमामय रूप में आयोजित किया गया।

प्रख्यात क्रिकेट उदघोषक सुशील दोषी के मुख्य आथित्य में अलंकरण समारोह आयोजित हुआ। विशेष अतिथि के रूप में संस्कृति विभाग के संचालक एम.पी .नामदेव एवं साहित्य अकादमी के निदेशक विकास दवे थे। इस अवसर पर उज्जैन के शैलेंद्र व्यास स्वामी मुस्कुराके को व्यंग्यकार शरद जोशी स्मृति अलंकरण द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि कोरोना के दो चरणों में स्वामी मुस्कुराके द्वारा जनमानस के तनाव को दूर करने के लिए 42 दिवस तक कोरोना भगावत कथा एवं हास्या ऑक्सीजन के माध्यम से वीडियो एवं पुस्तक का प्रकाशन किया था। स्वामी मुस्कुरा के द्वारा लिखित हास्याऑक्सीजन को व्यंग्यकार शरद जोशी अलंकरण के लिए चयनित किया गया। अतिथि द्वारा शाल श्रीफल आकर्षक स्मृति चिन्ह एवं 51 हजार राशि से सम्मान प्रदान किया गया। स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास अपनी आकर्षक वेशभूषा मालवी पगड़ी के रूप में समारोह में आकर्षण एवं चर्चित रहे।

विक्रम विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ उत्सव श्रृंखला-2 अभिनव नवाचार के रूप में मनाया गया मैत्रीय मिलन

संयुक्त राष्ट्र एसडीजी लक्ष्यों के साथ आत्मविकास एवं स्व-प्रबंधन पर दिया गया बल

उज्जैन। भाद्रपद माह शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि, उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र, सिद्ध योग एवं वराह जयंती के शुभ अवसर पर प्रतिष्ठित पंडित जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में दीक्षारंभ उत्सव श्रृंखला-2 का आयोजन मैत्रीय मिलन अभिमुखीकरण के रूप में अत्यंत हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। इस आयोजन को एक ÷अभिनव नवाचार÷ की संज्ञा देते हुए विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने अपने शुभकामना संदेश में इस सतत श्रृंखला प्रयास को अत्यंत सामयिक बताते हुए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के सूत्रधार प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता को अपनी शुभकामनाएं

प्रेषित कीं।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे अध्ययन काल में अपनी इंटरडिसिप्लिनरी रुचियों को विकसित करते हुए स्व-प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि यह दीक्षारंभ उत्सव न केवल शिक्षण का प्रारंभ है, बल्कि जीवन के लिए आवश्यक जीवन कौशल विकास की दिशा में भी एक सशक्त पहल है। कार्यक्रम के अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय कार्यपरिषद के सदस्य प्रो. डॉ. दीपक गुप्ता, अध्यक्ष प्रबंध अध्ययन मंडल, एवं प्रो. डॉ. कामरान सुल्तान, संकाय अध्यक्ष प्रबंध संकाय की गरिमामयी उपस्थिति रही।

एमबीए विभाग के तृतीय सेमेस्टर के युवा प्रबंध साथियों विश्रुत राजपुरोहित, कनिष्का शर्मा एवं खुशीका बारोड़ ने भारतीय स्वागत परंपरा एवं संस्थान की प्रतिष्ठा परंपरा के अनुरूप नवप्रवेशित विद्यार्थियों - अमन टंडन, पूजा पालीवाल, अवनी बंसल, मानसी माहेश्वरी, कुमकुम नागर, सुहानी पंड्या, प्रतीक उपाध्याय, आकाश बरोड़ का स्वागत करते हुए मैत्रीय सूत्र पुष्प गुच्छ एवं आत्मीय शब्दों से भावभीना अभिनंदन किया।

सिंधी कॉलोनी में विराजेगी भव्य गणेश प्रतिमा, रंगारंग विधुत सजा, ढोल नगाड़ों के साथ भव्य आतिशबाजी कर टॉवर से सिन्धी कालोनी में आगमन हुआ

उज्जैन। गणेश उत्सव की धूम उज्जैन में चरम पर है। श्रद्धालु कई दिनों पहले से ही बप्पा को घर और कॉलोनियों में विराजमान करने की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में रविवार शाम सिंधी कॉलोनी गली नंबर 3 में इस वर्ष खास आकर्षण देखने को मिलेगा। यहां 85 हजार की लागत से बनी भव्य गणेश प्रतिमा पंडाल में विराजेगी।

इस प्रतिमा की विशेषता यह है कि भगवान गणेश को उसी तरह के रथ पर स्थापित किया गया है, जैसे महाभारत युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के रथ को संचालित कर रहे थे। मूर्ति में घोड़े रथ को खींचते प्रतीत हो रहे हैं, जिससे दृश्य और भी अलौकिक बन गया है।

जब प्रतिमा को सिंधी कॉलोनी लाया जा रहा था, तो इसकी भव्यता देखकर राहगीर वहीं ठहर गए। कुछ ही देर में स्थिति ऐसी हो गई कि लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस की मदद से प्रतिमा को सुरक्षित रूप से गली नंबर 3 स्थित पंडाल तक पहुंचाया गया।

पिछले 12 वर्षों से यह आयोजन सिंधी कॉलोनी की अनमोल मित्र मंडली और श्री उमपुत्र समिति सिंधी समाज उज्जैन द्वारा किया जा रहा है। आयोजन समिति में अमित कृष्णानी, जयेश चौधरी, यश कृष्णानी, निलेश परस्वानी, लविश, मनमोहन, अभिजीत सिंह, सुमित, मयूर, गौरव, क्रिष,अनमोल मित्र मंडली सहित अन्य युवा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। गणेशोत्सव के दौरान इस प्रतिमा का दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण रहेगा।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com